www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 335 || लखनऊ
गुरूवार
12 मार्च 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:17
सूर्यास्तः 06:14
अधिकतमः 36°C
न्यूनतमः 19°C

पेज 03

विशेष समाचार
- आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव के... >> पेज 02
- गैस सिलेंडर के लिए सुबह से लंबी... >>पेज 04
- धुरंधर 2 से क्लैश का इंडस्ट्री में डर...

शाह बोले- आंख मारने वाले स्पीकर पर सवाल उठा रहे, विपक्ष ने माफी मांगो के नारे लगाए

स्पीकर बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव खारिज

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने वाला अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से खारिज हो गया। गृह मंत्री अमित शाह ने 56 मिनट तक प्रस्ताव पर सरकार की तरफ से जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला।

शाह ने कहा कि 18वीं लोकसभा में कांग्रेस सांसदों को बोलने के लिए भाजपा से दो गुना ज्यादा समय मिला। फिर भी विपक्ष के नेता कहते हैं कि हमें बोलने नहीं दिया जाता। जब बोलने का मौका आता है तो वे जर्मनी में होते हैं, इंग्लैंड में होते हैं। गृह मंत्री ने आगे कहा- राहुल सदन में PM मोदी से आकर गले लग जाते हैं। आंख मारते हैं। फ्लाइंग किस देते हैं।

मुझे तो बोलने में भी शर्म आती है। ये स्पीकर के आचरण पर सवाल करते हैं। अपने आचरण पर भी तो सवाल करिए।

>> (शेष पेज 04 पर)

शाह ने गिनाया, कांग्रेस- राहुल को सदन में कितना समय मिला

अमित शाह ने कहा, कितना बोलना है इसके लिए कुछ नियम बने हैं। 17वीं लोकसभा कांग्रेस को 157 घंटे 55 मिनट का समय दिया गया। जबकि उनके 52 सदस्य थे।

कांग्रेस को भाजपा से 6 गुना ज्यादा समय दिया गया। जबकि भाजपा के पास 6 गुना ज्यादा सदस्य थे 18वीं लोकसभा में भी कांग्रेस को भाजपा से दो गुना समय मिला। नेता प्रतिपक्ष कहते हैं।

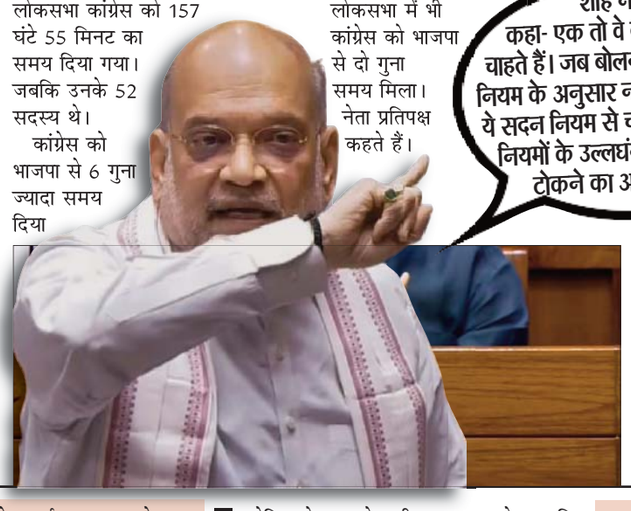

शाह ने बताया- विपक्ष के नोटिस में कई गलतियां, स्पीकर ने ठीक कराईं

अमित शाह ने कहा, स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव के नोटिस में 2026 की जगह 2025 लिखा था। जब विपक्ष के ध्यान में लाया गया तो उन्होंने नोटिस वापस ले लिया। दूसरे नोटिस में सिर्फ गौरव गोगई के रियल साइन थे। सभी विपक्षी सांसदों को जेरोक्स साइन थे। ऐसे में नोटिस खारिज हो सकता है। लेकिन इनमें इतनी गंभीरता नहीं है कि नोटिस नियमों के हिसाब से लाएं। फिर भी स्पीकर के ऑफिस ने विपक्ष को मौका दिया कि गलतियां है। सुधार लो।

बिरला ने प्रस्ताव के निपटारे तक सदन नहीं जाने का फैसला लिया था

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला अविश्वास प्रस्ताव के बाद से लोकसभा की कार्यवाही की अध्यक्षता में शामिल नहीं हुए। करीब 119 विपक्षी सांसदों ने आरोप लगाया कि स्पीकर सदन चलाते समय पक्षपात कर रहे हैं और विपक्ष को बोलने का पर्याप्त मौका नहीं दिया जा रहा।

प्रस्ताव लंबित रहने के दौरान ओम बिरला ने संसदीय परंपरा का हवाला देते हुए नैतिक आधार पर कार्यवाही की अध्यक्षता न करने का फैसला लिया। इस दौरान सदन की कार्यवाही पैनल ऑफ चेयरपर्सन के सदस्य चलाते रहे। अब प्रस्ताव खारिज होने के बाद बिरला सदन की कार्यवाही की फिर से अध्यक्षता कर सकते हैं।

शाह की 3 बड़ी बातें

■ AI समिट में कांग्रेस के प्रदर्शन पर: शाह ने कहा कि दिल्ली में AI समिट हुआ। 80 देशों की बड़ी कंपनियां आईं। 20 से ज्यादा देशों के राष्ट्राध्यक्ष आए और कांग्रेस के लोग वहां कपड़े उतारकर वहां प्रदर्शन करने लगे। वे कहते हैं कि ये उनका अधिकार है। जबकि दिल्ली में प्रदर्शन के लिए जंतर-मंतर बनाया गया है। कांग्रेस भाजपा का विरोध करते-करते भारत का विरोध करने लगी है।

■ अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर: शाह ने कहा कि कांग्रेस आरोप लगा रही है कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील में भारतीय किसानों का नुकसान हुआ है। मैं कहना चाहता हूं कि एक भी डील में नहीं भारत के किसान का नुकसान हुआ है। किसानों का नुकसान 2013 में कांग्रेस ने किया था।

■ नरवणे की किताब को लेकर विवाद पर: शाह ने कहा कि कांग्रेस चीन के साथ सीमा विवाद पर चर्चा करना चाहती थी। वो एक किताब के रेफरेंस से चर्चा करना चाहती थी, जो प्रकाशित नहीं हुई। इसलिए चर्चा करने की इजाजत नहीं दी गई। मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि अक्साई चीन का 38 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र किसके समय में हड़पा गया। कांग्रेस पार्टी के समय में हड़प लिया गया। तब PM नेहरू ने विपक्ष को जवाब दिया कि वहां घास का एक तिनका भी नहीं उगता। ये तो उनकी मानसिकता है।

देश की आजादी से लेकर अबतक 3 लोकसभा स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव

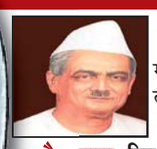

पहला: गणेश वासुदेव मावलंकर, देश के पहले लोकसभा स्पीकर
तारीख: भा दिसंबर 1954
■ **कौन लाया:** विपक्ष के सांसद खासकर कम्युनिस्ट पार्टी, प्रजा सोशलिस्ट पार्टी और हिंदू महासभा के सदाय
■ **बजह:** विपक्ष का आरोप था कि स्पीकर ने अजर्नमेंट मोशन और सवालों की अनुमति देने में निष्पक्षता नहीं बरती, स्पीकर सदन के सभी पक्षों का भरोसा बनाए रखाने में असफल रहे
■ **नतीजा:** प्रस्ताव पारित नहीं हुआ. मावलंकर पद पर बने रहे

दूसरा: हुकम सिंह के खिलाफ
तारीख: नवंबर 1966
कौन लाया: विपक्षी दलों के सांसद
■ **बजह:** विपक्ष ने आरोप लगाया कि स्पीकर ने संसदीय कार्यवाही में विपक्ष को पर्याप्त मौका नहीं दिया, कई प्रक्रियात्मक फैसलों को लेकर निष्पक्षता पर सवाल उठाए गए।
■ **नतीजा:** प्रस्ताव पारित नहीं हुआ और हुकम सिंह स्पीकर बने रहे

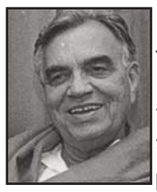

तीसरा: बलराम जाखड़ के खिलाफ
तारीख: अप्रैल 1987
कौन लाया: विपक्षी दलों के सांसद
■ **वजह:** विपक्ष का आरोप था कि स्पीकर राजीव गांधी सरकार के प्रति झुकाव रखते हैं. बोफोर्स विवाद और उस दौर के राजनीतिक तनाव के बीच विपक्ष ने निष्पक्षता पर सवाल उठाए।
■ **नतीजा:** प्रस्ताव पारित नहीं हुआ और आखड़ पद पर बने रहे।

ईरान के साथ जंग जल्द खत्म होगी : ट्रम्प

हमने सब तबाह कर दिया, वहां हमला करने के लिए कुछ भी नहीं बचा है

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ जंग बेहतरीन चल रही है और यह जल्द खत्म हो सकती है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमलों के बाद वहां हमला करने के लिए लगभग कुछ भी नहीं बचा है। अमेरिकी मीडिया एक्सिओस को दिए एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान को उम्मीद से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। उनके मुताबिक कई अहम सैन्य और रणनीतिक ठिकाने तबाह कर दिए गए हैं। ट्रम्प ने कहा कि सैन्य अभियान तय समय से आगे चल रहा है। शुरुआती योजना छह हफ्तों की थी, लेकिन अमेरिका ने इससे पहले ही अपने कई लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। तुर्किये के

राष्ट्रपति रेचप तैयप एर्दोआन ने कहा है कि ईरान में जारी युद्ध को तुरंत रोका जाना चाहिए, वरना पूरा मिडिल-ईस्ट इसकी चपेट में आ सकता है। उन्होंने कहा कि इस संकट का समाधान कूटनीति के जरिए ही संभव है। संसद में सांसदों को संबोधित करते हुए एर्दोआन ने कहा कि अगर युद्ध को नहीं रोका गया तो पूरा क्षेत्र आग में झोंक दिया जाएगा।

कांग्रेस के युवराज छोटे दायरे में सिमटे : पीएम

तमिलनाडु में कहा-वेस्ट एशिया मामले ने सबपर असर डाला

दौरा

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई/कोच्चि। PM नरेंद्र मोदी बुधवार को केरलम (केरल) दौरे पर हैं। उन्होंने एर्नाकुलम के कोच्चि में 10,800 करोड़ की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इसके बाद NDA की एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान लोकसभा सांसद राहुल गांधी की आलोचना की। प्रधानमंत्री ने कहा- कांग्रेस के युवराज को यह नहीं पता कि भारत के युवा आज ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग में कमाल कर रहे हैं। उन्हें यह भी नहीं पता कि केरल के युवाओं ने ड्रोन विकसित करने के लिए स्टार्टअप शुरू किए हैं। जो व्यक्ति अपने छोटे दायरे में सिमटा हो, उसे देश का विकास कभी नहीं दिखेगा। PM ने कहा- खाड़ी और पश्चिम एशिया में जो कुछ हो रहा है।

■ पीएम ने एर्नाकुलम जिले के कोच्चि में 300 मीटर लंबे रोड शो के दौरान लोगों का अभिवादन किया।

फास्ट न्यूज

विंग कमांडर ने किया सुसाइड

रायपुर। रायपुर में एयरफोर्स के विंग कमांडर ने सुसाइड कर लिया है। पुरैना स्थित विधायक कॉलोनी में विंग कमांडर की घर के अंदर फांसी पर लटकती लाश मिली है। पुलिस के मुताबिक, विपुल यादव (39) ने पुरैना विधायक कॉलोनी स्थित बंगला नंबर-79 में घर के कमरे में फांसी लगा ली।

एनसीईआरटी का विवादित चैप्टर बनाने वाली टीम के खिलाफ निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट NCERT के कक्षा 8वीं की सोशल साइंस की किताब में 'करप्शन इन द ज्यूडिशियरी' नाम का सब-चैप्टर तैयार करने वाली टीम को हटाने की तैयारी में है। कोर्ट ने केंद्र सरकार, सभी राज्य सरकारों और पब्लिक फंडेड इंस्टीट्यूशन्स को निर्देश दिया है कि NCERT के सोशल साइंस करिकुलम के चेयरपर्सन प्रोफेसर मिशेल डेनिनो को पाठ्यक्रम से अलग करें। साथ ही, उनके दो अन्य सहयोगी सदस्यों दिवाकर और आलोक प्रसन्न कुमार को भी किसी भी तरह से पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रक्रिया में शामिल न किया जाए।

एमपी में कमर्शियल गैस संकट, कई शहरों में बुकिंग बंद

ईरान-इजराइल युद्ध के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर मध्यप्रदेश में सतर्कता बढ़ गई है। कई शहरों में कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई रोक दी गई है, जिससे होटल-रेस्टोरेंट और छोटे व्यवसायों पर असर पड़ने की आशंका है। राजधानी भोपाल में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने ऑयल कंपनियों, गैस एजेंसियों और व्यापार संगठनों की बैठक बुलाई।

सुप्रीम कोर्ट की बिल्डर्स-बैंक गठजोड़ पर सीबीआई को फटकार

कहा-घर खरीदने वालों के मामले लंबा नहीं खींच सकते

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई/लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली-NCR और देश के दूसरे हिस्सों में घर खरीदने वालों को ठगने के लिए बैंकों और डेवलपर्स के बीच गठजोड़ की जांच के लिए सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन(CBI) को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि जांच को लंबा खींचने से फ्लैट खरीदने वालों को और परेशानी होगी।

CBI ने अन्य राज्यों के केसों को संबंधित राज्य की एजेंसी को ट्रांसफर करने की मांग की थी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने CBI के इस बयान पर एतराज जताया। टॉप कोर्ट 1,200 से ज्यादा घर खरीदने वालों की याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें मुख्य

याचिका हिमांशु सिंह ने वकील अक्षय श्रीवास्तव के ज़रिए दायर की थी। याचिकाकर्ताओं ने NCR, खासकर नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम में अलग-अलग हाउसिंग प्रोजेक्ट्स में सबवेंशन प्लान के तहत फ्लैट बुक किए थे। उनका आरोप है कि फ्लैट का कब्जा न होने के बावजूद बैंक उन्हें किश्तें देने के लिए मजबूर कर रहे थे। बेंच ने कहा कि अगर CBI का यही तरीका रहा, तो वह एजेंसी की जांच की निगरानी के लिए एक कमेटी बना सकती है।

एजेंसी के बाहर लंबी लाइनें, यूपी-बिहार में पुलिस सुरक्षा में सिलेंडर बंट रहे, अयोध्या में राम रसोई बंद

देशभर में एलपीजी की किल्लत

परेशानी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में LPG की किल्लत हो रही है। गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसियों पर लंबी लाइनें लगी हैं। दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर रोक से होटलों और रेस्टोरेंट्स में खाना नहीं बन पा रहा है। वहीं, LPG सिलेंडर की किल्लत के चलते अयोध्या में राम रसोई को बंद कर दिया गया है। 8 साल में पहला मौका है जब राम रसोई बंद की गई है। इस बीच देश में रसोई गैस (LPG) की कमी की खबरों को सरकार ने फेक बताया। जनता

से शांत रहने की अपील की और LPG की कमी को लेकर झूठी खबरें न फैलाने को कहा है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि देश में एलपीजी की डिलीवरी साइकल अभी भी 2.5 दिन ही बना हुआ है। देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और लोग घबराकर 'पैनिक बुकिंग' न करें।

>> (शेष पेज 04 पर)

मध्य प्रदेश: कैटरर्स बोले- ये इमरजेंसी जैसी स्थिति

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई ठप होने से सबसे ज्यादा संकट होटल-रेस्टॉरेंट पर है। वहीं घरेलू रसोई गैस लेने के लिए गैस एजेंसियों के बाहर लंबी लाइनें लगी है। जिन घरों में शादी है, वे टेंशन में हैं। अकेले भोपाल में ही 20 दिन में एक हजार से ज्यादा शादियां हैं। कैटरर्स का कहना है कि ये इमरजेंसी जैसी स्थिति है।

दिल्ली: हाई कोर्ट की कैंटीन में मेन कोर्स बनाना बंद

दिल्ली हाई कोर्ट की वकीलों की कैंटीन में भी LPG गैस सिलेंडर न होने की वजह से मेन कोर्स का खाना देना कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया है। कैंटीन प्रबंधन ने बताया कि उनके पास LPG सिलेंडर नहीं हैं और यह भी साफ नहीं है।

एलएलजी के 2 जहाज रास्ते में, जल्द पहुंचने की उम्मीद

अब भारत का 70% कच्चा तेल उन रास्तों से आ रहा है जो स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बाहर हैं। पहले यह आंकड़ा 55% था। हमने खरीद में विविधता लाकर अपनी सप्लाई सुरक्षित कर ली है। गैस कंपनियों ने नए स्रोतों से एलएनजी (LNG) के कार्गो सुरक्षित किए हैं। मंत्रालय के मुताबिक, दो बड़े एलएनजी जहाज अगले एक-दो दिन में भारत पहुंचने वाले हैं। इससे देश में ईंधन की स्थिति और मजबूत होगी। वर्तमान में भारत की रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं ताकि पेट्रोलियम उत्पादों की कमी न हो।

फैसला : 13 साल से कोमा में है बेटा, माता-पिता ने लगाई थी गुहार

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार इच्छामृत्यु की इजाजत दी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इच्छामृत्यु मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने 13 साल से कोमा में रह रहे 31 साल के युवक हरीश राणा को इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की मंजूरी दे दी। गाजियाबाद के रहने वाले हरीश लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर हैं। देश में इस तरह का यह पहला मामला है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने एम्स (AIIMS) को निर्देश दिया कि हरीश के लाइफ सपोर्ट सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए। यह प्रोसेस इस तरह से की जानी चाहिए कि मरीज की गरिमा बनी रहे। पैसिव यूथेनेशिया का मतलब होता है कि

किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला हरीश की मां निर्मला राणा और पिता अशोक राणा की इच्छामृत्यु देने की अपील पर सुनाया। फैसले पर पिता अशोक ने कहा- हम इसके लिए लंबे समय से लड़ रहे थे। कौन से माता-पिता अपने बेटे के लिए ऐसा चाहेंगे।

>> (शेष पेज 04

हरीश हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरे थे, तब से बिस्तर पर

दिल्ली में जन्मे हरीश राणा चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई कर रहे थे। 2013 में वह हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए। इसकी वजह से उनके पूरे शरीर में लकवा मार गया और वह कोमा में चले गए। वह न कुछ बोल सकते हैं और न ही महसूस कर सकते हैं। डॉक्टर्स ने हरीश को क्वाड्रिप्लेजिया बीमारी से पीड़ित करार दिया। इसमें मरीज पूरी तरह से फीडिंग ट्यूब यानी खाने-पीने की नली और वेंटिलेटर सपोर्ट पर निर्भर रहता है। इसमें रिकवरी की कोई गुंजाइश नहीं होती।

हरीश राणा केस में सुप्रीम कोर्ट के 4 निर्देश

■ मरीज को दी जा रही चिकित्सा सहायता को वापस लिया या रोका जा सकता है। इस मामले में सामान्यतः लागू 30 दिन की पुनर्विचार अवधि को इस मामले में माफ कर दिया गया।
■ एम्स को निर्देश दिया कि मरीज को पेलिएटिव केयर सेंटर में भर्ती किया जाए ताकि इलाज रोकने की प्रक्रिया पूरी की जा सके। पैलियेटिव केयर यानी ऐसे मरीजों को आराम देने वाली चिकित्सा, जिनका इलाज संभव नहीं होता।
■ मरीज को घर से अस्पताल शिफ्ट करने की पूरी व्यवस्था एम्स करेगा।
■ सपोर्ट हटाने की प्रोसेस एक विशेष चिकित्सा योजना के तहत की जानी चाहिए, ताकि मरीज की गरिमा बनी रहे।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने का प्रस्ताव तैयार

लोकसभा के 120, राज्यसभा के 60 सांसदों ने दस्तखत किए

प्रस्ताव

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के लिए सांसदों के दस्तखत जुटा लिए हैं। सूत्रों के अनुसार यह प्रस्ताव गुरुवार या शुक्रवार को संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) में पेश किया जा सकता है। एक वरिष्ठ सांसद ने बताया कि हस्ताक्षर जुटाने का काम पूरा हो गया है। अब तक लोकसभा में प्रस्ताव देने के लिए लगभग 120 सांसदों और राज्यसभा में लगभग 60 सांसदों ने इस नोटिस पर दस्तखत किए हैं। सूत्रों के मुताबिक यह नोटिस INDIA गठबंधन के सभी दलों के

सांसदों ने मिलकर साइन किया है। यह पहली बार है जब मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए ऐसा नोटिस दिया जा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि CEC कई मौकों पर सत्तारूढ़ भाजपा को फायदा पहुंचाने में मदद कर रहे हैं, खासकर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) नाम की मतदाता सूची की समीक्षा प्रक्रिया को लेकर। विपक्ष का कहना है कि यह प्रक्रिया केंद्र की सरकार को फायदा पहुंचाने के लिए की जा रही है।

सम्पादकीय

आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू

गैस की कमी रोकने के लिए केंद्र सरकार के साथ राज्य सरकारों को भी सचेत रहना होगा। उचित यह होगा कि जैसे केंद्र सरकार ने जमाखोरी-कालाबाजारी पर निगरानी के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की, वैसी ही समितियां राज्य सरकारें भी गठित करें। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के चलते देश में रसोई गैस के साथ वाहनों में प्रयुक्त होने वाली गैस की किल्लत रोकने के लिए केंद्र सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू करने का जो फैसला किया, वह यही बताता है कि गैस की कमी होने की आशंका उभर आई है और सरकार ऐसा नहीं होने देना चाहती। इस अधिनियम के लागू होने के बाद देश की तमाम रिफाइनरियों और पेट्रो केमिकल यूनिट्स को अपने अन्य उत्पादों की तुलना में एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देनी होगी। इसके अलावा सरकारी तंत्र को इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि गैस की न तो जमाखोरी होने पाए और न ही उसकी कालाबाजारी। यह शुभ संकेत नहीं कि देश के कुछ शहरों में रसोई गैस की कालाबाजारी होने की आशंका उभर आई है। इसके अलावा इसका भी खतरा पैदा हो गया है कि मुनाफाखोर रसोई गैस सिलेंडरों की जमाखोरी कर सकते हैं। सरकारी तंत्र को इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि गैस की किल्लत को लेकर अफवाहें न फैलने पाएं, क्योंकि जब ऐसा होता है, तब लोग अनावश्यक रूप से चिंतित हो जाते हैं। इस चिंता के कारण ही कहीं-कहीं गैस सिलेंडरों के लिए लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं। स्पष्ट है कि लोगों को भी धैर्य धारण करना होगा और अफवाहों को लेकर सचेत रहना होगा। यह ध्यान रहे कि चंद दिनों पहले पेट्रोल एवं डीजल की कोई कमी न होने के बाद भी कुछ जगह ऐसी अफवाह फैल गई थी कि उनकी कमी होने जा रही है। इस स्थिति से तभी बचा जा सकता है, जब अफवाहों को फैलने से रोका जाए और संबंधित प्रशासन की ओर से आवश्यक सूचनाएं समय पर प्रसारित की जाती रहें। आखिर जब संबंधित मंत्रालय और विभागों की ओर से इसके लिए आशवस्त किया जा रहा है कि फिलहाल गैस की कोई कमी नहीं, तब फिर किसी को बिना जरूरत अतिरिक्त गैस सिलेंडर पाने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए। यह सही है कि पश्चिम एशिया से तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हो गई है, क्योंकि उनकी आपूर्ति करने वाला होर्मुज जल मार्ग ठप हो गया है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि सरकार रूस, कनाडा के अलावा अफ्रीकी देशों से तेल के साथ गैस की आपूर्ति के हरसंभव जतन कर रही है। गैस की कमी रोकने के लिए केंद्र सरकार के साथ राज्य सरकारों को भी सचेत रहना होगा। उचित यह होगा कि जैसे केंद्र सरकार ने जमाखोरी-कालाबाजारी पर निगरानी के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की, वैसी ही समितियां राज्य सरकारें भी गठित करें। इसी के साथ यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक है कि न तो घरेलू उपयोग के लिए रसोई गैस सिलेंडर में कमी आने पाए और न ही कमर्शियल सिलेंडर की किल्लत होने पाए, क्योंकि इससे होटल-रेस्त्रां उद्योग प्रभावित होंगे और इसका असर अन्य अनेक लोगों पर भी पड़ेगा।

आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव के कारण तेल की कीमतों में उछाल आया , उपभोक्ताओं में घबराहट

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का असर अब भारत में भी दिखाई देने लगा है। ईरान से जुड़े युद्ध के बीच भले ही सरकार ने तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने की बात कही है, लेकिन देश के कई हिस्सों में एलपीजी की कमी से लोगों की परेशानी बढ़ रही है। हॉस्पिटैलिटी बॉडी AHAR (Indian Hotel and Restaurant Association) के मुताबिक आर्थिक राजधानी मुंबई में एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति घटने के कारण करीब 20 प्रतिशत रेस्टोरेंट बंद हो चुके हैं और यह आंकड़ा ज्यादा भी हो सकता है ।संगठन का कहना है कि यदि यही स्थिति जारी रहती है तो अगले दो-तीन दिनों में लगभग 50 प्रतिशत तक खाने-पीने की दुकानें बंद हो सकती हैं। रेस्टोरेंट मालिकों का कहना है कि पिछले दो दिनों से कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर प्राप्त करने में उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसी तरह की समस्या बेंगलुरु और चेन्नई जैसे शहरों में भी सामने आ रही है। संगठन का कहना है कि यदि गैस की आपूर्ति जल्द सामान्य नहीं होती है तो यहां भी स्थिति गंभीर हो सकती है। बेंगलुरु में होटल मालिकों ने संकेत दिए हैं कि कॉमर्शियल एलपीजी की सप्लाई बाधित होने पर उन्हें अपने संचालन अस्थायी रूप से बंद करने पड़ सकते हैं, क्योंकि उनका काम पूरी तरह एलपीजी पर निर्भर है। चंडीगढ़ में भी एलपीजी सप्लाई को लेकर हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। Indane गैस एजेंसी के गोदाम में बड़ी संख्या में कमर्शियल गैस सिलेंडर जमा पड़े हैं। कर्मचारियों के मुताबिक पिछले चार दिनों से कमर्शियल सिलेंडर की नियमित सप्लाई नहीं मिल रही है, जिसकी वजह से जो सीमित सिलेंडर आ रहे हैं, वे गोदाम में ही इकट्ठा हो रहे हैं। गोदाम में काम करने वाले कर्मचारी सोनू के अनुसार होटल और रेस्तरां संचालक लगातार सिलेंडर के बारे में पूछताछ कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल सिलेंडर उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा घरेलू गैस की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है और कर्मचारियों का कहना है कि घरेलू एलपीजी की सप्लाई लगभग आधी रह गई है। इस स्थिति के कारण शहर में होटल, रेस्तरां और खाने-पीने के कारोबार से जुड़े लोगों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि उनका संचालन पूरी तरह गैस सिलेंडर की उपलब्धता पर निर्भर करता है। भोपाल में भी ईरान से जुड़े युद्ध के बीच गैस की किल्लत का असर साफ दिखाई देने लगा है। यहां कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई रुकने और घरेलू सिलेंडर की बुकिंग के बीच 25 दिन का अंतर अनिवार्य किए जाने से आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है। हालात ऐसे हैं कि गैस एजेंसियों के गोदामों के बाहर लोगों की लंबी कतारें लगने लगी हैं। कई लोग सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर चिंतित हैं। आम उपभोक्ताओं का कहना है कि सरकार भले ही स्थिति सामान्य होने की बात कर रही हो, लेकिन जमीनी स्तर पर सिलेंडर आसानी से नहीं मिल रहे हैं और कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई अचानक बंद कर दी गई है। लोगों का यह भी आरोप है कि मौजूदा स्थिति का फायदा उठाते हुए कुछ गैस एजेंसियां सिलेंडर की कमी का हवाला देकर उपभोक्ताओं को इंतजार करने के लिए मजबूर कर रही हैं। इससे शहर में गैस सप्लाई को लेकर असमंजस और चिंता का माहौल बन गया है। दूसरी ओर केंद्र सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और तेल-गैस की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही है। सरकार ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं ताकि आपूर्ति में किसी तरह की कमी न आए। फिलहाल सरकार की प्राथमिकता घरेलू एलपीजी की उपलब्धता बनाए रखना है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार इस कदम का उद्देश्य आवश्यक सेवाओं जैसे- रेस्टोरेंट, अस्पताल और फूड सप्लाई चेन को बाधित होने से बचाना है। इसी बीच डोनाल्ड ट्रम्प ने संकेत दिए हैं कि ईरान से जुड़ा युद्ध जल्द खत्म हो सकता है। साथ ही G7 देशों ने भी रणनीतिक तेल भंडार के इस्तेमाल का फैसला किया है। इन घोषणाओं के बाद वैश्विक बाजार में Crude Oil की कीमतों में कुछ नरमी देखने को मिली है। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव का असर वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर भी दिखने लगा है, जिससे कई देश ईंधन की कमी और बढ़ती कीमतों को लेकर चिंतित हैं। संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति में लगातार बाधा आ रही है, ऐसे में कई क्षेत्रों की सरकारें ईंधन की खपत को नियंत्रित करने और सीमित आपूर्ति को संभालने के लिए आपातकालीन कदम उठा रही हैं। विश्व के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य के पास व्यवधान उत्पन्न होने के बाद स्थिति और भी गंभीर हो गई है। वैश्विक कच्चे तेल और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस का एक महत्वपूर्ण हिस्सा फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाले इस संकरे जलमार्ग से होकर गुजरता है। यहां किसी भी प्रकार की गड़बड़ी का असर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर तुरंत पड़ता है। ऊर्जा विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतें पहले ही बढ़ चुकी हैं। रिपोर्टों से पता चलता है कि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे व्यापक ऊर्जा संकट की आशंका बढ़ गई है। विश्व के समुद्री मार्ग से होने वाले कच्चे तेल और एलएनजी के कुल परिवहन का लगभग 31 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। मौजूदा अस्थिरता के कारण समुद्री मार्ग प्रभावित हो रहे हैं और व्यापारी सतर्क हो रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यदि संघर्ष लंबे समय तक जारी रहता है, तो कच्चे तेल की कीमतें 120-140 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। अनिश्चितता ने वैश्विक वित्तीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा कर दी है। कई देशों के शेयर बाजार ऊर्जा की कीमतों में अचानक हुई वृद्धि और आपूर्ति में व्यवधान की चिंताओं पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।इस संकट का असर दुनिया के कई हिस्सों में महसूस किया जा रहा है। पाकिस्तान, फ्रांस, संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, पोलैंड, वियतनाम, बांग्लादेश, श्रीलंका और इंडोनेशिया जैसे देशों को ईंधन आपूर्ति पर बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है।इन देशों की सरकारें संकट से निपटने के लिए अलग-अलग रणनीतियां अपना रही हैं।

■ अशोक भाटिया

> मौजूदा अस्थिरता के कारण समुद्री मार्ग प्रभावित हो रहे हैं और व्यापारी सतर्क हो रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यदि संघर्ष लंबे समय तक जारी रहता है, तो कच्चे तेल की कीमतें 120-140 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं।

मानवाधिकारों के प्रश्न ...

ललित गर्ग

वैश्विक युद्धोन्माद के बीच विश्व शांति की पुकार

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद विश्व ने एक ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश की थी जिसमें शक्ति को नियमों और संस्थाओं के माध्यम से नियंत्रित किया जा सके। लगभग आठ दशकों तक यह वैश्विक व्यवस्था अनेक उतार-चढ़ावों के बावजूद किसी-न-किसी रूप में कायम रही। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, बहुपक्षीय समझौते, कूटनीतिक संवाद और साझा नियम-इन सबका उद्देश्य यही था कि दुनिया 'मत्स्य-न्याय' यानी शक्तिशाली द्वारा कमजोर को निगल जाने की प्रवृत्ति से बची रहे। इसी सोच के तहत युनाइटेट नेशनस्, वर्ल्ड ट्रेड ऑरगेनाइजेशन, वर्ल्ड हेल्थ ऑरगेनाइजेशन, यूनेस्को और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों की स्थापना हुई। इन संस्थाओं ने विश्व राजनीति को पूरी तरह आदर्श नहीं बनाया, लेकिन उन्होंने कम-से-कम इतना अवश्य सुनिश्चित किया कि शक्ति के साथ नियम और नैतिकता का एक आवरण बना रहे। परंतु आज यह व्यवस्था अभूतपूर्व संकट के दौर से गुजर रही है। विश्व राजनीति में एक नया रुझान तेजी से उभर रहा है जिसमें सहयोग, संवाद और बहुपक्षीयता की जगह एकपक्षीय कार्रवाई, सैन्य शक्ति और त्वरित लाभ की मानसिकता को प्राथमिकता दी जा रही है। विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में अमेरिका की नीतियों ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। जो देश कभी वैश्विक नियम-आधारित व्यवस्था का प्रमुख निर्माता और संरक्षक था, वही अब अनेक अंतरराष्ट्रीय समझौतों और संस्थाओं से दूरी बनाता दिखाई देता है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में ही यह संकेत मिल गया था जब अमेरिका ने पेरिस क्लाइमेंट अग्रीमेंटस्, इरान न्यूक्लियर डील्स्, विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनेस्को जैसी संस्थाओं से खुद को अलग करने की प्रक्रिया शुरू की। इन कदमों का संदेश यह था कि यदि किसी समझौते से तात्कालिक राष्ट्रीय हित प्रभावित होते हैं तो उसे छोड़ देना ही बेहतर है। इससे वैश्विक सहयोग की उस भावना को गहरा आघात पहुंचा, जो दशकों से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की आधारशिला रही है। आज स्थिति और भी जटिल हो गई है। दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और संघर्ष सामान्य घटनाओं की तरह स्वीकार किए जाने लगे हैं। चार वर्षों से जारी रुस-यूक्रेन युद्ध और दो वर्षों से चल रहा गाजा युद्ध इसका सबसे दुखद एवं विडम्बनापूर्ण उदाहरण हैं। इन संघर्षों ने लाखों लोगों के जीवन को संकट में डाल दिया है, शहरों को खंडहर में बदल दिया है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर बना दिया है। युद्ध की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह किसी स्थायी समाधान की ओर नहीं ले जाता। युद्ध में विजय का दावा करने वाले भी अंततः विनाश और पीड़ा के साथ ही जीते हैं। इतिहास गवाह है कि युद्ध ने कभी भी मानवता को गौरव नहीं दिया; उसने केवल तबाही, भय और अस्थिरता को जन्म दिया है। युद्ध के परिणामस्वरूप पर्यावरण का भारी नुकसान होता है, आर्थिक संसाधन नष्ट हो जाते हैं, महंगाई बढ़ती है, रोजगार के अवसर घटते हैं और समाज में असुरक्षा तथा अविश्वास की भावना गहरी हो जाती है। आज विश्व के सामने सबसे बड़ी चिंता यह है कि युद्ध और हिंसा धीरे-धीरे सामान्यीकृत होते जा रहे हैं। अनेक बार युद्ध का उद्देश्य वास्तविक समाधान नहीं बल्कि घरेलू राजनीति में छवि निर्माण, शक्ति प्रदर्शन या आंतरिक संकटों से ध्यान हटाना बन जाता है। ऐसी परिस्थितियों में वैश्विक नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों कमजोर पड़ते हैं। यदि शक्तिशाली देश ही नियमों को तोड़ने लगें तो पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता खतरे में पड़ जाती है। मानवाधिकारों के प्रश्न पर भी दोहरे मानदंड दिखाई देते हैं। किसी एक देश की आलोचना की जाती है, लेकिन उसी तरह के कृत्यों पर दूसरे देशों के संदर्भ में चुप्पी साध ली जाती है। इससे मानवाधिकार एक सार्वभौमिक मूल्य के बजाय भू-राजनीतिक बहस का उपकरण बन जाते हैं। यदि विश्व समुदाय वास्तव में मानवता की रक्षा करना चाहता है तो उसे हर देश के लिए समान मानदंड अपनाने होंगे। इन परिस्थितियों में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या दुनिया फिर से उस दौर की ओर बढ़ रही है जहां "जिसकी लाठी उसकी भैंस" ही अंतरराष्ट्रीय राजनीति का नियम बन जाएगा। यदि ऐसा हुआ तो यह केवल छोटे देशों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी मानव सभ्यता के लिए गंभीर खतरा होगा। भारत का ऐतिहासिक दृष्टिकोण इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने संप्रभुता, गैर-हस्तक्षेप और बहुपक्षीय सहयोग की नीति का समर्थन किया है। भारत का यह विश्वास रहा है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान केवल सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। यही कारण है कि भारत ने हमेशा शांति, संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। आज जब विश्व व्यवस्था डगमगा रही है, तब भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न केवल एक उभरती आर्थिक शक्ति है बल्कि एक ऐसी सभ्यता का प्रतिनिधि भी है जिसने सदियों से अहिंसा, सह-अस्तित्व और मानवता के मूल्यों को महत्व दिया है। महात्मा गांधी की अहिंसा की परंपरा और भारत की आध्यात्मिक विरासत आज भी विश्व को दिशा दे सकती है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने बढ़ते वैश्विक प्रभाव का उपयोग विश्व शांति की दिशा में और अधिक सक्रिय रूप से करें। पिछले वर्षों में भारत ने कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति, सहयोग और विकास की बात को प्रमुखता से उठाया है। अब समय आ गया है कि इस पहल को और व्यापक बनाया जाए। भारत को चाहिए कि वह वैश्विक स्तर पर युद्धविराम, संवाद और कूटनीतिक समाधान के लिए पहल करे।

वरुण धवन ने...

सुभाष शिरढोनकर

'बॉर्डर 2' के बाद बिजी हो रहे हैं वरुण धवन

एक्टर वरुण धवन की फिल्म 'बॉर्डर 2' (2026) ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर धमाल मचाया। फिल्म में इंडियन आर्मी के जांबाज अफसर मेजर होशियार सिंह दहिया के किरदार में वरुण की एक्टिंग से दर्शक इतने अधिक इंप्रेस हुए कि उनकी तारीफ करते थक नहीं रहे हैं। मेजर होशियार सिंह साल 1957 में जाट रेजिमेंट का हिस्सा बनने के बाद वो 3-ग्रेनेडियर्स में अफसर बने। उन्होंने 1971 में भारत-पाक के युद्ध में शंकरगढ़ पठार में मोर्चा संभालते हुए 89 दुश्मनों को मौत के घाट उतारते हुए पाकिस्तान के छक्के छुड़ा दिए थे। मरणोपरांत उन्हें परम वीर चक्र से सम्मानित किया गया था। अपने करियर में कई हिट फिल्में देने वाले वरुण धवन पहली बार फिल्म 'बॉर्डर 2' आर्मी अफसर मेजर होशियार सिंह के किरदार में नजर आए और वाकई उन्होंने कमाल की एक्टिंग की है। वरुण धवन ने अपनी हिट फिल्मों का सिलसिला अपने करियर की पहली फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' (2012) से ही शुरू कर दिया था। अपने 14 साल के करियर में वरुण धवन ने 27 फिल्में की हैं जिसमें से 15 फिल्में हिट और एवरेज रही हैं जबकि केवल 4 ही फिल्में फ्लॉप साबित रही हैं। बाकी फिल्मों में उनके कैमियो थे। उनकी हिट फिल्मों में 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' (2012), 'हम्प्टी शर्मा की दुल्हनियां' (2014), 'बदलापुर' (2015), 'दिशूम' (2016), 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' (2017), 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' (2023) 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' (2025) और हाल ही में इस लिस्ट में शामिल फिल्म 'बॉर्डर 2' (2026) रही हैं। वरूण की सेमी हिट फिल्मों में 'मैं तेरा हीरो' (2014) 'एबीसीडी 2' (2015), 'जुड़वा 2' (2017) और एवरेज फिल्मों में 'दिलवाले' (2015), 'अक्टूबर' (2018) और 'सुई धागा' (2018) के नाम शामिल हैं। वरुण धवन की फ्लॉप फिल्मों में पहली फिल्म 'कलंक' (2019), उसके बाद 'स्ट्रीट डांसर 3डी' (2020), 'भेड़िया' (2022) और आखिर में 'बेबी जॉन' (2024) है। ये तीनों फिल्में बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई थीं। इस वक्त वरुण धवन एक साथ कई फिल्में कर रहे हैं। वह फिल्म 'है जवानी तो इशक होना है' की शूटिंग में बिजी हैं। वहीं 2022 की उनकी फ्लॉप फिल्म 'भेड़िया' के मेकर्स इसका सीक्वल 'भेड़िया 2' प्लान करने में जुटे हैं।

नीतीश कुमार के दिल्ली जाने के मायने

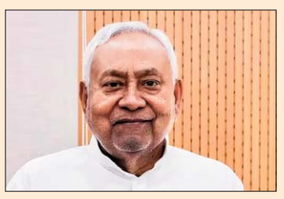

करीब 20 वर्षों तक सतत बिहार के मुख्यमंत्री रहने वाले नीतीश कुमार का राज्यसभा में जाना तय हो गया है। ऐसा माना जाता है कि महीने भर के अन्दर ही वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। इसके पश्चात बिहार में मुख्यमंत्री भाजपा का होगा एवं एक मात्र उप मुख्यंमत्री नीतीश कुमार के इंजीनियर बेटे निशांत कुमार होंगे। मात्र उप मुख्यमंत्री ही नहीं, ऐसी पर्याप्त संभावना है कि गृह जैसा संवेदनशील मंत्रालय भी राजनीति के नये खिलाड़ी निशांत ही संभालेंगे। अब नीतीश के दिल्ली जाने को लेकर और भाजपा के संभावित मुख्यमंत्री होने पर सिर्फ विपक्षी दल राजद में ही नहीं बल्कि नीतीश कुमार की पार्टी जदयू में भी बड़ी नकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली है। तेजस्वी यादव तो बिना लाग-लपेट के यह आरोप लगा रहे हैं कि भाजपा ने अपना मुख्यमंत्री बनाने के लिये नीतीश को हाईजैक कर लिया और बिहार की सत्ता पर कब्जा करने का षड़यंत्र किया है। जदयू का एक बड़ा तबका भी इस बात को लेकर चिल्ल-पो मचा रहा है कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री का पद छोड़कर दिल्ली क्यों जा रहे हैं इस सम्बन्ध में एक बात तो बहुत ही स्पष्ट तौर पर समझ लेनी चाहिए कि नीतीश कुमार यदि मुख्यमंत्री का पद छोड़ रहे हैं।

वीरेन्द्र सिंह परिहार

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

सौरभ वार्ष्णेय

ईरान- भारत का मित्र या शत्रु?

अमेरिका -इजरायल-ईरान के बीच युद्ध चल रहा है। ऐसे में देश के अंदर बहस छिड़ी हुई है कि ईरान का विरोध किया जाए या समर्थन । वहीं देश में ईरान के मृत पूर्व लीडर अली ख़ामेनेई की तस्वीर लेकर एक वर्ग समुदाय अपना दुख प्रगट कर रहा है। ऐसे में भारत ने भी ईरान के दूतावास जाकर कुछ दिन बाद जाकर अपनी श्रद्धांजलि व दुख प्रगट कर आया है। भारत और ईरान के संबंधों को यदि सरल शब्दों में समझा जाए, तो यह कहना अधिक उचित होगा कि ईरान न तो भारत का शत्रु है और न ही पारंपरिक अर्थों में सैन्य सहयोगी मित्र बल्कि दोनों देशों के संबंध हितों, इतिहास और कूटनीति पर आधारित रणनीतिक साझेदारी के रूप में विकसित हुए हैं। ईरान भारत का शत्रु नहीं है, लेकिन पारंपरिक सैन्य मित्र भी नहीं है। वहीं संसद में भी विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी स्पष्ट कर दिया कि हमारी सरकार की प्रत्येक गतिविधियों पर नजर जारी है ताकि वर्तमान हालात पर नियंत्रण रहें लेकिन सरकार अभी तक यह नहीं बता पाई कि इस युद्ध के पनपने वाली मंहगाई से कैसे निपटेगी। वर्तमान में कर्मशियल गैस पर अंकुश लग चुका है। घरेलू गैस पर संकट न आये तो सरकार क्या क्या कार्य कर रही है। अगर हम ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध के बारे में पड़ताल करें तो पायेंगे कि भारत और ईरान के संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं। प्राचीन काल से ही दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार, संस्कृति और भाषा का आदान-प्रदान होता आया है। फ़ारसी भाषा का प्रभाव भी मध्यकालीन भारत की प्रशासनिक और सांस्कृतिक परंपराओं में भी दिखाई देता है। हमें ईतिहास में जाकर यह भी भूलना न होगा कि संघर्ष भी हुए, जैसे 1739 में ईरानी शासक नाडेर शाह ने भारत पर आक्रमण कर बैटल ऑफ करनाल में मुग़लों को हराया था लेकिन आधुनिक दौर में दोनों देशों के संबंध मुख्यतः सहयोग और कूटनीति पर आधारित रहे हैं। अगर हम ऊर्जा और व्यापार में साझेदारी की बात करें तो भारत एक बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता देश है और ईरान तेल-गैस का बड़ा स्रोत रहा है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए ईरान महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी संदर्भ में भारत ने ईरान के चाबाहार पोर्ट के विकास में निवेश किया है, जिससे भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुँच मिलती है और पाकिस्तान को बाईपास करने का रास्ता मिलता है। ज्ञात रहे कि भारत - ईरान का रणनीतिक सहयोग रहा है और भारत और ईरान कई क्षेत्रों में सहयोग करते आये हैं। जैसे कि आतंकवाद और ड्रग तस्करी के खिलाफ सहयोग। अफगानिस्तान की स्थिरता में साझा हित, व्यापार और क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाएं सहित अन्य कारणों से ईरान भारत के लिए रणनीतिक रूप से उपयोगी साझेदार माना जाता रहा है। आज की अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की नीति स्पष्ट है कि सभी देशों से संबंध रखना। किसी एक गुट में पूरी तरह शामिल न होना। अपने राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देना। इसलिए ईरान-इज़रायल या ईरान-अमेरिका तनाव में भारत अक्सर तटस्थ रुख अपनाता है और शांति की अपील करता है। वहीं पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक राजनीति के बदलते समीकरणों के बीच यह सवाल बार-बार उठता है कि क्या ईरान भारत का मित्र है या शत्रु। दरअसल अंतरराष्ट्रीय राजनीति में रिश्ते स्थायी दोस्ती या दुश्मनी के आधार पर नहीं बल्कि राष्ट्रीय हितों के आधार पर तय होते हैं। भारत और ईरान के संबंध भी इसी सिद्धांत पर चलते रहे हैं। पश्चिम एशिया की राजनीति में ईरान लंबे समय से एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश रहा है। हाल के वर्षों में क्षेत्रीय संघर्ष, प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय दबावों के कारण ईरान वैश्विक चर्चा के केंद्र में बना हुआ है। खासकर अमेरिका और इजराइल के साथ उसके तनावपूर्ण संबंधों ने पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ईरान की विदेश नीति हमेशा से पश्चिमी देशों के प्रभाव का विरोध करने वाली रही है। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही अमेरिका और ईरान के रिश्तों में कड़वाहट बनी हुई है। अमेरिका द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को काफी प्रभावित किया है लेकिन इसके बावजूद ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय प्रभाव को बनाए रखने की कोशिश जारी रखी है। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव भी वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है। दोनों देशों के बीच सीधे युद्ध की स्थिति न होते हुए भी छद्म युद्ध और सैन्य गतिविधियाँ लगातार जारी हैं। यदि यह तनाव खुली लड़ाई में बदलता है तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर भी पड़ेगा। भारत के लिए भी ईरान का महत्व कम नहीं है। भारत और ईरान के बीच ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक सहयोग के संबंध रहे हैं। विशेष रूप से चाबहार बंदरगाह परियोजना भारत के लिए मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक पहुंच का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। दरअसल अंतरराष्ट्रीय राजनीति में रिश्ते स्थायी दोस्ती या दुश्मनी के आधार पर नहीं बल्कि राष्ट्रीय हितों के आधार पर तय होते हैं। भारत और ईरान के संबंध भी इसी सिद्धांत पर चलते रहे हैं। पश्चिम एशिया की राजनीति में ईरान लंबे समय से एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश रहा है।हालांकि अमेरिका के प्रतिबंधों के कारण भारत को ईरान के साथ अपने संबंधों में संतुलन बनाए रखना पड़ता है। आज के समय में आवश्यकता इस बात की है कि ईरान और पश्चिमी देशों के बीच संवाद और कूटनीति को बढ़ावा दिया जाए। युद्ध और टकराव किसी भी समस्या का समाधान नहीं होते। यदि कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं तो न केवल पश्चिम एशिया में शांति स्थापित हो सकती है बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता भी मजबूत हो सकती है।

लग गया था कि संजू बेहतर करेगा, आंकड़े नहीं, अंतरात्मा की आवाज पर चलता हूं

भारत सिर्फ घरेलू पिचों पर 200+ रन नहीं बनाता : गौतम गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की जीत के बाद हेड कोच गौतम गंभीर ने कई मुद्दों पर बात की। न्यूज एजेंसी ANI से बातचीत में उन्होंने भारतीय पिचों पर उठे सवालों का जवाब देते हुए कहा कि टी-20 बैटर्स का खेल है और भारत ने विदेशों में भी 200 से ज्यादा स्कोर बनाया है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका में भी ऐसा स्कोर बनाया है।

गंभीर ने अपनी कार्यशैली पर बात करते हुए कहा कि वह फैसले लेते समय डेटा से ज्यादा अपनी समझ और अंतरात्मा की आवाज पर भरोसा करते हैं। उन्होंने संजू सैमसन को लगातार मौका देने की वजह, अपनी नियुक्ति और टीम के भविष्य पर

भी चर्चा की। साथ ही पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद के ट्रॉफी को मंदिर ले जाने पर दिए बयान पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने यह भी कहा कि ICC टूर्नामेंट में पिचों की जिम्मेदारी इंटरनेशन क्रिकेट काउंसिल की होती है, BCCI की नहीं। इसलिए भारत के लिए विकेट तैयार करने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर मैं वीवीएस लक्ष्मण और अजीत अगरकर जैसे अनुभवी लोगों से क्रिकेट पर चर्चा करता हूं। संजू ने टूर्नामेंट में 321 रन बनाकर विराट कोहली (2014) का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ करो या मरो मैच में नाबाद 97 रन और उसके बाद सेमीफाइनल में 89 और फाइनल में 89 की पारी खेली थी। महेंद्र सिंह धोनी ने जीत के बाद गंभीर की फोटो पर कमेंट किया था, 'आप पर मुस्कान अच्छी लगती है।' इस पर मुस्कुराते हुए गंभीर ने कहा, 'धोनी का पोस्ट करना अच्छी बात है। लेकिन जब आप डगआउट में होते हैं तो इतना कुछ दांव पर लगा होता है कि आप चाहकर भी हंस नहीं सकते। भारत में हारना कोई विकल्प नहीं है, इसलिए दबाव बहुत ज्यादा रहता है।'

> *गंभीर ने कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ मैच का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत ने वहां करीब 180 रन बनाए थे, जबकि बाकी टीमें उसी पिच पर करीब 140 रन तक ही पहुंच सकीं, लेकिन तब किसी ने पिच पर सवाल नहीं उठाए। टी-20 मैच में दर्शक बड़े स्कोर देखना चाहते हैं। यही वजह है कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका में भी हाई स्कोरिंग मैच आम हो गए हैं।*

'भारत में विकेट तैयार करने का आरोप गलत'

टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान भारतीय पिचों को लेकर उठे सवालों पर टीम इंडिया के हेड कोच ने कहा कि भारत अपने फायदे के लिए पिच तैयार करता है, यह आरोप गलत है और अक्सर ऐसे बयान विवाद और टीआरपी के लिए दिए जाते हैं। गंभीर के मुताबिक टी-20 क्रिकेट अब बैटर्स का खेल बन चुका है और दुनियाभर में बड़े स्कोर बन रहे हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका जैसे देशों में भी 200 से ज्यादा रन बनाए हैं, इसलिए इसे सिर्फ घरेलू पिचों से जोड़ना सही नहीं है।

'डेटा नहीं, अपनी समझ पर भरोसा करता हूं'

'कोच के तौर पर फैसले लेते समय मैं डेटा से ज्यादा अपनी समझ पर भरोसा करता हूं। हर कोच की टीम को लेकर अपनी अलग सोच और नजरिया होता है।' गंभीर ने कहा कि अगर मुझे लगता है कि कोई फैसला टीम के लिए सही है तो उस पर कायम रहता हूं और गलत साबित होने पर जिम्मेदारी भी स्वीकारता हूं। टीम का खेल, व्यवहार और माहौल मेरी अपनी सोच और विजन का हिस्सा है, जबकि भविष्य में आने वाला कोच अपनी सोच के साथ टीम को आगे बढ़ाएगा।

संजू सैमसन पर बोले- फॉर्म अस्थायी है

न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में खराब प्रदर्शन के बावजूद संजू सैमसन को वर्ल्ड कप टीम में बनाए रखने पर गंभीर ने कहा, 'मैंने उन्हें इसलिए रखा, क्योंकि मुझे पता था कि संजू टीम के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। न्यूजीलैंड सीरीज में उनका दौर खराब था।

वर्ल्ड कप फाइनल में अभिषेक शर्मा की फिफ्टी

बासित अली बोले- काश ऐसे 2-3 खिलाड़ी पाकिस्तान में होते

मुंबई, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारतीय युवा ओपनर अभिषेक शर्मा पर की गई टिप्पणी को लेकर मोहम्मद आमिर की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आमिर को ऐसे बयान देने से बचना चाहिए। आमिर ने टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान खराब फॉर्म के बाद अभिषेक को स्लॉगर कहा था। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में अभिषेक ने शानदार वापसी की। न्यूजीलैंड के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में उन्होंने तेज अर्धशतक लगाकर भारत को तेज शुरुआत दिलाई। इसके बाद भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता। हालांकि टूर्नामेंट की शुरुआत अभिषेक के लिए अच्छी नहीं रही थी। बाएं हाथ के इस ओपनर ने शुरुआती तीन मैचों में लगातार तीन बार शून्य पर आउट होकर निराश किया था। इसी दौरान आमिर ने उनकी आलोचना करते हुए उन्हें स्लॉगर कहा था।

पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने एक टीवी शो के दौरान कहा, कि अगर किसी खिलाड़ी ने तीन बार शून्य भी बनाया हो तो इससे उसकी क्लास खत्म नहीं हो जाती। फॉर्म अस्थायी होती है, लेकिन क्लास हमेशा रहती है। उन्होंने कहा कि अभिषेक जैसे खिलाड़ी को इस तरह के नाम देना ठीक नहीं है और काश पाकिस्तान की टीम में भी ऐसे दो तीन खिलाड़ी होते। खिताबी जीत के बाद अभिषेक शर्मा भावुक नजर आए थे। उन्होंने कहा था,'ईमानदारी से कहूं तो एक समय मुझे खुद पर शक होने लगा था क्योंकि यह मेरे लिए आसान टूर्नामेंट नहीं था।

फास्ट न्यूज

दावा-सैटेलाइट से अमेरिकी लोकेशन ट्रैक कर रहा था चीन

बीजिंग। 28 फरवरी को ईरान पर पहली मिसाइल चलने से पहले ही चीनी सोशल मीडिया पर संकेत मिलने लगे थे कि अमेरिका बड़ा हमला करने की तैयारी कर रहा है। इंटरनेट पर अमेरिकी सैन्य तैयारियों से जुड़ी सैटेलाइट तस्वीरें तेजी से फैलने लगी थीं। रेगिस्तानी एयरफील्ड पर उतरते ट्रांसपोर्ट प्लेन और भूमध्यसागर में किसी विमानवाहक पोत के डेक पर तैनात फाइटर जेट दिखाई दे रहे थे। इन तस्वीरों की खास बात यह थी।

मधुबाला बायोपिक में अनीत पड्डा की एंट्री की खबरें गलत

लेजेंडरी एक्ट्रेस मधुबाला की जिंदगी पर बनने वाली बायोपिक को लेकर पिछले कुछ समय से लगातार चर्चाएं हो रही हैं। हाल ही में सोशल मीडिया और कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि फिल्म में मधुबाला का किरदार सैयारा फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा निभाने वाली हैं। हालांकि अब इंडस्ट्री सूत्रों ने इन खबरों को पूरी तरह बेबुनियाद बताया है। इंडस्ट्री सोर्स के मुताबिक, अनीत पड्डा को मधुबाला की बायोपिक से जोड़ना पूरी तरह गलत है। सोर्स ने साफ कहा, "अनीत पड्डा को लेकर जो खबरें चल रही हैं, उनमें रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है। उन्हें इस प्रोजेक्ट के लिए कास्ट किए जाने की बात सिर्फ अफवाह है। फिलहाल इस फिल्म की कास्टिंग को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।"

चीन समेत पड़ोसी देशों के लिए भारत में निवेश आसान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चीन समेत भारत के साथ बॉर्डर शेयर करने वाले यानी पड़ोसी देशों से आने वाले फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (FDI) के नियमों में ढील दी है। PM मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार (10 मार्च) को हुई कैबिनेट मीटिंग में प्रेस नोट 3 यानी FDI पॉलिसी के नियमों में बदलाव को मंजूरी दी गई। नए नियमों के तहत अब उन निवेश प्रस्तावों को ऑटोमैटिक मंजूरी मिल जाएगी, जिनमें पड़ोसी देश के निवेशक की हिस्सेदारी 10% से कम हो और उसका कंपनी पर कोई कंट्रोल न हो।

कृतिका कामरा- गौरव कपूर का अनोखा वेडिंग इनवाइट

रिसेप्शन की जगह 'द पार्टी आफ्टर' नाम से खास जश्न

मुंबई, एजेंसी

एक्ट्रेस कृतिका कामरा और टीवी होस्ट-एक्टर गौरव कपूर की शादी को लेकर अब धीरे-धीरे नई-नई डिटेल्स सामने आने लगी हैं। दोनों 11 और 12 मार्च को मुंबई में शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। शादी से पहले उनका वेडिंग इनवाइट सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि इसका अंदाज पारंपरिक शादियों से बिल्कुल अलग और काफी मजेदार है। कृतिका और गौरव ने अपनी शादी को बहुत ज्यादा भव्य बनाने के बजाय इसे करीबी दोस्तों और परिवार के बीच निजी अंदाज में सेलिब्रेट करने का फैसला किया है। हालांकि समारोह प्राइवेट होगा, लेकिन इसमें फिल्म और खेल जगत से जुड़े कई जाने-माने चेहरे शामिल हो सकते हैं। स शादी की सबसे खास बात उनका अनोखा वेडिंग इनवाइट है। आम तौर पर शादियों में रिसेप्शन या कॉकटेल पार्टी का आयोजन होता है, लेकिन कृतिका

और गौरव ने इसकी जगह "द पार्टी, आफ्टर" नाम से एक खास लेट-ईवनिंग सेलिब्रेशन रखा है।यह पार्टी दरअसल एक तरह की आफ्टर-पार्टी होगी, जहां मेहमान औपचारिकता से हटकर आराम से बैठकर संगीत, बातचीत और जश्न का आनंद ले सकेंगे। इनवाइट में मेहमानों को जल्दी आने, आराम से बैठने और रात को खुलकर एंजॉय करने का न्योता दिया गया है। जानकारी के मुताबिक यह खास पार्टी दक्षिण मुंबई के एक प्राइवेट वेन्यू पर आयोजित की जाएगी। यहां का माहौल जैज नाइट और स्पीकईजी बार से प्रेरित रखा गया है।

धुरंधर 2 से क्लैश का इंडस्ट्री में डर

टॉक्सिक के बाद अदिवी शेष की डकैत की भी रिलीज टली, 19 मार्च की जगह 10 अप्रैल को आएगी

मुंबई, एजेंसी

रणवीर सिंह स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म धुरंधरः द रिवेंज 19 मार्च को रिलीज होने के लिए शेड्यूल है। पहले केजीएफ स्टार यश की फिल्म टॉक्सिक भी 19 मार्च को ही रिलीज होनी थी, लेकिन रिलीज से 2 हफ्ते पहले ही मेकर्स ने इसे पोस्टपोन कर दिया है। इसके बाद अब अदिवी शेष की फिल्म डकैल भी पोस्टपोन हो चुकी है।

रिलीज डेट टाले जाने के बावजूद फिल्म को क्लैश से राहत नहीं मिली है। अब इस फिल्म का क्लैश धुरंधर 2 से नहीं बल्कि अक्षय कुमार स्टारर हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला से होगा।

उनके प्रोजेक्ट से हटने के बाद मृणाल ठाकुर ने उन्हें रिप्लेस किया था। मेकर्स की मानें तो इजरायल, अमेरिका और ईरान में चल रही जंग के चलते इसकी रिलीज टाली जा रही है। मेकर्स चाहते हैं। फिल्म डकैत में पहले श्रुति हासन लीड रोल निभाने वाली थीं, हालांकि क्रिएटिव डिफरेंस के चलते उन्होंने फिल्म छोड़ दी।

> *एक्टर अदिवी शेष ने रिलीज डेट बदले जाने की घोषणा सोशल मीडिया के जरिए की है। उन्होंने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें रिलीज डेट 19 मार्च नहीं 10 अप्रैल लिखी है। इसके साथ एक्टर ने कैप्शन में लिखा, गोल्डफिश 10 अप्रैल को, वर्ल्डवाइड सिनेमाघरों में।*

यश की टॉक्सिक की भी रिलीज टली

केजीएफ स्टार यश और कियारा आडवाणी की मोस्ट अवेडेट फिल्म टॉक्सिक पहले 19 मार्च को रिलीज की जाने वाली थी, हालांकि रिलीज से ठीक पहले मेकर्स ने इसे पोस्टपोन कर दिया है। हालांकि इसका कारण क्लैश नहीं बताया गया। मेकर्स की मानें तो इजरायल, अमेरिका और ईरान में चल रही जंग के चलते इसकी रिलीज टाली जा रही है। मेकर्स चाहते हैं।

श्रुति हासन को किया था मृणाल ठाकुर ने रिप्लेस

फिल्म डकैत में पहले श्रुति हासन लीड रोल निभाने वाली थीं, हालांकि क्रिएटिव डिफरेंस के चलते उन्होंने फिल्म छोड़ दी।

ईरान जंग : लोग पालतू कुत्ते-बिल्ली छोड़कर भाग रहे

बिना खाना-पानी दिए खंभे से बांधा, नोट लिखा- सॉरी देश छोड़ रहा हूं

- दुबई छोड़ते समय एक ब्रिटिश परिवार ने दो कुत्तों को पशु कल्याण समिति को सौंप दिया।
- ईरान में हमले के बाद कई पक्षी उड़ते हुए दिखाई देते हैं, इसमें कई पक्षी घायल हुए।

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में बढ़ते इजराइल-ईरान तनाव के बीच संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में लोग देश छोड़ने की तैयारी में अपने पालतू कुत्तों, बिल्लियों और दूसरे जानवरों को सड़कों या शेल्टर में छोड़ रहे हैं। रेस्क्यू संगठनों के अनुसार, लोग जानवरों को बिना खाना-पानी के भीषण गर्मी में रास्ते में पोल से बांध कर

छोड़ रहे हैं। एनिमल वेलफेयर वर्कर्स का कहना है कि उन्हें घरों या आश्रयों के बाहर पिंजरों में बंद बिल्लियां और पिल्ले भी मिले हैं। अबू धाबी के एनिमल वेलफेयर वर्कर ऐन्सो स्टैंडर ने इसे स्वार्थी और निर्दयी कदम बताया। उन्होंने यह भी कहा कि उनके शेल्टर के पास इलाके में दो छोड़े गए कुत्तों को गोली मारने की खबर मिली है। इजराइल के ईरान की राजधानी तेहरान में तेल भंडार पर हमले के बाद भीषण आग लगी, जिसके बाद धुएं का गुबार कई फीट ऊंचाई तक फैल गया। ईरान में 10 मार्च को इजराइली हमले के बाद कई गाड़ियां और इमारतें तबाह हो गए। इजराइल के हमले के बादों लेबनान की राजधानी बेरूत में लोगों के घर तबाह हो गए हैं, इमारतें टूटी हुई नजर आ रही हैं, हर तरफ मलबा ही मलबा दिख रहा है।

नोज गियर टूटा, थाइलैंड में हार्ड लैंडिंग, 133 लोग सवार थे

एअर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट का लैंडिंग के दौरान पहिया निकला

- नोज गियर (सामने का लैंडिंग गियर) को नुकसान पहुंचा हुआ दिखाई दे रहा है। हार्ड लैंडिंग के दौरान विमान का अगला पहिया सही तरीके से जमीन पर नहीं बैठ पाया, जिससे उसका हिस्सा टूट गया या मुड़ गया।
- रनवे पर सफेद पाउडर भी दिखाई दे रहा है, जिसे आमतौर पर एयरपोर्ट की रेस्क्यू टीम सुरक्षा के लिए छिड़कती है, ताकि अगर ईंधन लीक हो तो आग लगने का खतरा कम किया जा सके।

बैंकॉक, एजेंसी

थाईलैंड में एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट बुधवार दोपहर लैंडिंग के दौरान हादसे का शिकार हो गई। विमान के रनवे पर उतरते ही उसका नोज गियर टूट गया और आगे का पहिया अलग हो गया। फ्लाइट हैदराबाद से फुकेट जा रही थी। हालांकि विमान में सवार सभी 133 यात्री सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए और किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

विमान की तेज लैंडिंग से नोज गियर टूटा

प्रारंभिक जांच में पता चला कि विमान की लैंडिंग काफी तेज हुई थी, जिससे नोज लैंडिंग गियर को नुकसान पहुंचा और विमान रनवे से हट नहीं सका। फुकेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने दोपहर 12:08 बजे से शाम 6 बजे तक रनवे बंद रहने की सूचना जारी की। साथ ही एयरपोर्ट प्रशासन ने संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर स्थिति संभाली और सभी सुरक्षा नियमों का पालन किया।

एअर इंडिया एक्सप्रेस ने एक बयान में कहा, "हम पुष्टि करते हैं कि 11 मार्च को हमारी हैदराबाद-फुकेट फ्लाइट में फुकेट एयरपोर्ट पर नोज व्हील में दिक्कत आ गई थी।" नोज व्हील एयरक्राफ्ट के लैंडिंग गियर सिस्टम का एक जरूरी हिस्सा होता है।

गिरावट : निफ्टी भी 300 पॉइंट टूटा, बैंकिंग और ऑटो शेयर्स में सबसे ज्यादा बिकवाली

सेंसेक्स 1200 अंक गिरकर 77,000 पर कारोबार कर रहा

मुंबई, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान के कारण शेयर बाजार में आज यानी 11 मार्च को गिरावट है। सेंसेक्स में 1200 अंक (1.58%) से ज्यादा की गिरावट के साथ 77,000 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 300 अंक (1.33%) की गिरावट है, ये 23,900 पर कारोबार कर रहा है। आज बैंकिंग, ऑटो और FMCG शेयर्स में ज्यादा गिरावट है। साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 3.50% चढ़कर 5,724 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। जापान का निक्केई 1,351 अंक या 2.50% चढ़कर 55,599 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 5 अंक या 0.015% चढ़कर 25,963 पर कारोबार कर रहा है। चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 2 अंक या 0.053% ऊपर 4,125 परकारोबार कर रहा है। डाउ जोन्स 34

अंक (0.07%) गिरकर 47,706 के स्तर पर बंद हुआ। टेक बेस्ड इंडेक्स नैस्डैक कंपोजिट 0.005% बढ़कर 22,697 पर बंद हुआ। S&P 500 इंडेक्स 14 अंक (0.21%) गिरकर 6,781 पर बंद हुआ।

सोना 500 रुपए महंगा हुआ, चांदी 2000 रुपए गिरी

सोने के दाम में आज बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 500 रुपए बढ़कर 1.61 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी 2 हजार रुपए गिरकर 2.71 लाख रुपए पर आ गई है।

10 मार्च को एफआईआई ने ₹4,672 करोड़ के शेयर्स बेचे

- एक दिन पहले विदेशी निवेशकों (FIIs) ने कैश सेगमेंट में 4,672 करोड़ के शेयर बेचे। घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 6,333 करोड़ की नेट खरीदारी की।
- मार्च महीने में विदेशी निवेशकों ने अब तक 32,849 करोड़ के शेयर्स बेचे। वहीं घरेलू निवेशकों ने इस दौरान 48,134 करोड़ की नेट खरीदारी की है।
- फरवरी महीने में विदेशी निवेशकों ने 6,640 करोड़ के शेयर्स बेचे हैं। वहीं घरेलू निवेशकों ने इस दौरान 38,423 करोड़ की नेट खरीदारी की थी।

बाजार गिरने की 2 मुख्य वजहें

- ईरान-इजराइल युद्ध से सप्लाई चेन बिगड़ने का डर।
- कच्चे तेल के दाम बढ़ने से भारत का इंपोर्ट बिल और महंगाई बढ़ेगी।

कल बाजार में रही थी तेजी

इससे पहले कल यानी 10 मार्च को शेयर बाजार में तेजी रही थी। सेंसेक्स 640 अंक (0.82%) की तेजी के साथ 78,205 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी करीब 233 अंक (0.97%) की तेजी रही, ये 24,262 पर बंद हुआ था। ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई हैं। ब्रेंट क्रूड करीब 0.25% गिरकर 88 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

अमेरिका में 50 साल बाद पहली नई रिफाइनरी बनेगी

रिलायंस के साथ पार्टनरशिप, ट्रम्प बोले- ये अमेरिकी इतिहास की सबसे बड़ी डील

वॉशिंगटन, एजेंसी

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अमेरिका में ऑयल रिफाइनरी बनाने के लिए डील की है। अमेरिका में पिछले 50 सालों में यह पहली नई ऑयल रिफाइनरी होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 11 मार्च को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इसकी जानकारी दी। ट्रम्प ने कहा कि यह 300 अरब डॉलर यानी, करीब 27 लाख करोड़ रुपए की एक ऐतिहासिक डील है। उन्होंने कहा कि यह अमेरिकी वर्कर्स, हमारे एनर्जी सेक्टर और साउथ टेक्सस के शानदार लोगों की बहुत बड़ी जीत है। रिलायंस के निवेश लिए उन्होंने धन्यवाद दिया। ब्राउनविले में बनेगी दुनिया की सबसे 'क्लीन' रिफाइनरी डोनाल्ड ट्रम्प के मुताबिक, यह रिफाइनरी साउथ टेक्सस

के 'पोर्ट ऑफ ब्राउनविले' में बनाई जाएगी। ट्रम्प ने दावा किया कि यह दुनिया की सबसे साफ रिफाइनरी होगी। इस प्रोजेक्ट से अमेरिका के घरेलू बाजारों को ईंधन मिलेगा, नेशनल सिक्योरिटी मजबूत होगी और हजारों की संख्या में नई नौकरियां पैदा होंगी। ट्रम्प ने कहा कि रिलायंस का यह निवेश उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' नीति, टैक्स में कटौती और परमिट प्रक्रिया को आसान बनाने की वजह से मुमकिन हो पाया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास गुजरात के जामनगर में दुनिया का सबसे बड़ा रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स चलाने का अनुभव है। अब इसी तकनीक और अनुभव का इस्तेमाल अमेरिका में 50 साल बाद बनने वाली पहली रिफाइनरी में किया जाएगा। ट्रम्प ने कहा कि इस डील से अमेरिका फिर से 'एनर्जी डॉमिनेंस' यानी ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया पर अपना दबदबा कायम कर सकेगा। रिलायंस भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट सेक्टर कंपनी है। ये अभी हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन और प्रोडक्शन, पेट्रोलियम रिफाइनिंग और मार्केटिंग, पेट्रोकेमिकल्स, एडवांस मटेरियल और कंपोजिट, रिन्यूएबल एनर्जी, डिजिटल सर्विस और रिटेल सेक्टर में काम करती है।

छात्र बोला- आरआरबी के एग्जाम का रिवीजन करें या गैस के लिए लाइन में लगें

गैस सिलेंडर के लिए सुबह से लंबी लाइनें

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ में गैस सिलेंडर के लिए सुबह से लंबी लाइनें:छात्र बोला- कल RRB का एग्जाम, गैस के लिए लाइन में लगें या रिवीजन करें लखनऊ। राजधानी लखनऊ में गैस सिलेंडर की किल्लत बढ़ गई है। आम लोगों से लेकर होटल, ढाबा और कैटरिंग कारोबारी मुश्किल में आ गए हैं। गैस एजेंसियों पर सुबह से ही उपभोक्ताओं की लंबी लाइन लगी है। कई लोगों का कहना है कि एक सप्ताह पहले बुकिंग कराने के बावजूद सिलेंडर नहीं मिल रहा है। कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित होने से कालाबाजारी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। लोगों का आरोप है कि सिलेंडर 3500 रुपए तक में ब्लैक किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस कप्तानों को निर्देश दिए हैं कि गैस और तेल की कालाबाजारी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ कहा है कि प्रदेश में गैस और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति को लेकर गलत जानकारी फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

लोग लाइन लगाकर सिलेंडर का इंतजार करते रहे।

> गैस लेने आए अनुप ने बताया कि वह सुबह से गैस लेने के लिए लाइन में लगे हैं, लेकिन अभी तक सिलेंडर नहीं मिला। इसके कारण उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

गैस एजेंसियों के चक्कर काट रहे उपभोक्ता

बुधवार सुबह से ही शहर के अलग-अलग इलाकों में लोग घरेलू गैस सिलेंडर की तलाश में एजेंसियों के चक्कर लगाते नजर आए। कई उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्होंने एक सप्ताह पहले बुकिंग कराई थी, लेकिन अब तक सिलेंडर नहीं मिला है। कुछ एजेंसियों पर सर्वर ठप होने की भी बात सामने आई, जिससे बुकिंग और डिलीवरी की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। एजेंसी संचालकों का कहना है कि उपभोक्ताओं को सिलेंडर देने के लिए ओटीपी और बुकिंग का प्रमाण दिखाना जरूरी है। इंदिरा नगर गैस सर्विस पर पहुंचे श्यामू अवस्थी ने बताया, "सुबह 6 बजे से लाइन में लगे हैं, लेकिन अभी तक सिलेंडर नहीं मिला है। दोपहर के 12–1 बजने वाले हैं, फिर भी नंबर नहीं आ रहा।

गैस सिलेंडर के लिए लाइन में लगें या परीक्षा के लिए रिवीजन करें

हॉस्टल में रहकर सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे छात्रों को गैस सिलेंडर न मिलने से भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। छात्र अरुण सिंह ने बताया कि हॉस्टल में गैस न होने की वजह से खाना नहीं बन पा रहा है, जिसके कारण उन्हें मजबूरी में बाहर का खाना खाना पड़ रहा है और इससे उनकी तबीयत भी खराब हो रही है।

डीएम के निर्देश पर गैस एजेंसियों की जांच शुरू

गैस एजेंसियों पर सिलेंडर देने में आनाकानी की शिकायतों के बाद जिलाधिकारी विशाख जी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। डीएम, एडीएम सिविल सप्लाई ज्योति गौतम और जिला पूर्ति अधिकारी ने तेल कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। इसके बाद जिला आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को संबंधित एसडीएम और अपर नगर मजिस्ट्रेट के साथ अपने-अपने क्षेत्रों की गैस एजेंसियों का स्टॉक जांचने के निर्देश दिए गए।

> बताया जा रहा है कि 6 मार्च के बाद से कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित हो गई है। इसके चलते होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग कारोबारियों के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है। कारोबारियों का कहना है कि जो सिलेंडर पहले करीब 2110 रुपये में मिलता था, वह अब मजबूरी में 3500 रुपये तक ब्लैक में खरीदना पड़ रहा है। इससे छोटे होटल, ढाबा संचालकों और कैटरिंग कारोबारियों का बजट बिगड़ गया है।

फास्ट न्यूज

सिलेंडर न मिलने से चटोरी गली में 40 दुकानें बंद

लखनऊ। गोमतीनगर 1090 चौराहा स्थित चटोरी गली में कामर्सियल सिलेंडर के अभाव में मंगलवार रात करीब 40 दुकानें बंद रहीं। चटोरी गली एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अविनाश ने बताया कि बंदी की वजह से लगभग 1 लाख रुपये से अधिक का कारोबार प्रभावित हुआ। उपाध्यक्ष अविनाश ने कहा कि ईरान और इजरायल के बीच हो रहे युद्ध की वजह से व्यापारियों और दुकानदारों के सामने अचानक बहुत बड़ा संकट आ गया।

बीजेपी विधायक के बेटे पर झोलाछाप को पीटने का आरोप

मुरादाबाद। भाजपा के कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह के बेटे से अपने सील अस्पताल का उद्घाटन कराने वाले झोलाछाप लक्ष्मण सिंह पर जानलेवा हमला हुआ है। हमले का आरोप विधायक के उसी बेटी विक्की ठाकुर पर लगा है। जिसने 6 महीने पहले सरकारी सील तोड़कर लक्ष्मण के अवैध अस्पताल का उद्घाटन किया था। लक्ष्मण का आरोप है कि इस उद्घाटन की एवज में विधायक के बेटे को उसने थाईलैंड टूर कराया था। सील अस्पताल के उद्घाटन की खबर में प्रसारित होने के बाद स्वास्थ्य विभाग के अफसरों ने 5 महीने पहले पाकबड़ा में स्थित इस अस्पताल को फिर से सील कर दिया था। लक्ष्मण के पास कोई चिकित्सीय डिग्री नहीं है।

पिकअप ब्रिज पर कार में लगी आग

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर स्थित पिकअप ब्रिज पर बुधवार को एक कार में अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि कार लोहिया पार्क से पॉलिटेक्निक चौराहे की ओर जा रही थी। इसी दौरान अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और कुछ ही देर में उसमें आग लग गई। हादसे के बाद कार सवार लोगों ने तुरंत गाड़ी से उतरकर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते कार से धुआं और आग की ऊंचीं लपटें निकलने लगीं।

बेटे ने पिता को बांके से काट डाला

हालत गंभीर, नशे के लिए रुपए देने से मना किया था

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में शराब के लिए रुपए नहीं देने पर बेटे ने पिता को बांके से काट डाला। गंभीर घायल व्यक्ति को परिजनों ने नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से डॉक्टरों ने ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस आरोपी बेटे की तलाश कर रही है। घटना सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बेहसा में बुधवार को हुई। घायल की पहचान सरोजनी नगर के बेहसा गांव के रहने वाले संतलाल रावत (60) के रूप में हुई। सरोजनी-नगर पुलिस को दोपहर करीब 3:20 बजे कंट्रोल रूम के माध्यम से घटना की सूचना मिली। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से संतराम लोकबंधु अस्पताल भेजा गया। लोकबंधु अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने संतलाल की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि संतलाल रावत का बेटा नीरज रावत (35) नशे का आदी है। वह शराब पीने के लिए अपने पिता से पैसे मांग रहा था। पैसे देने से मना करने पर पिता-पुत्र के बीच कहासुनी हुई, जो विवाद में बदल गई।

शियाओं का नंगे पांव मातम, ट्रम्प-सऊदी प्रिंस की तस्वीरें रौंदी

लखनऊ में 21वें रमजान में जुलूस निकाला, ताबूत चूमने की मची होड़

- सआदतगंज के नजफ इमामबाड़ा से जुलूस निकला। हजारों की संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए।
- शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जवाद ने आधी रात में मजलिस पढ़ी।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में आज 21वें रमजान का जुलूस निकाला गया। नम आंखों के साथ शिया समुदाय के लोग हजरत अली के ताबूत की जियारत किया। ईरान-इजराइल जंग के विरोध में जुलूस के रास्ते में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन सलमान और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तस्वीरें सड़क पर चिपकाई गईं। जुलूस में शामिल अकीदतमंद 'या अली मौला' और 'हैदर मौला' के नारे लगाते हुए इन तस्वीरों को पैरों से रौंदते हुए गुजरे। नंगे पांव और काले कपड़े पहने महिला-पुरुष, बुजुर्ग और बच्चों में ताबूत को छूने और चूमने की होड़ मची हुई है। जुलूस नजफ इमामबाड़ा, सआदतगंज से शुरू होकर कर्बला, तालकटोरा पर समाप्त हुआ। इस दौरान हैदरगंज में परंपरा के मुताबिक कुएं के पास कुछ देर के लिए ताबूत को रोका गया और उस पर काली चादर चढ़ाई गई। करीब 6 किलोमीटर लंबे जुलूस में लगभग 50 हजार लोग शामिल हुए। जुलूस सुबह 5 बजे निकला और 11:30 बजे समाप्त हुआ। शिया समुदाय का मानना है कि 19वीं रमजान को हजरत अली जब नमाज के लिए मस्जिद पहुंचे तो उनके ऊपर तलवार से हमला हुआ था। इसके बाद 21वें रमजान को हजरत अली शहीद हो गए थे। उसी घटना को याद करते हुए जुलूस निकाला जाता है। जुलूस में लगातार लोगों की भीड़ बढ़ रही है। ताबूत के इर्द-गिर्द हजारों लोग मौजूद हैं। सभी ताबूत को छूना और चूमना चाह रहे हैं। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया- जुलूस लगभग 6 किलोमीटर लंबा है। हजारों लोग एक साथ चल रहे हैं। यह शिया समुदाय का बेहद महत्वपूर्ण जुलूस है। पुलिस की तरफ से सख्त सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। बाहर से फोर्स बुलवाई गई है। 10 एडिशनल एसपी और 30 डिप्टी एसपी तैनात किए गए हैं।

एलएलबी छात्र फांसी पर लटका

30 फीट ऊंचाई से मजदूर गिरा, लखनऊ में अलग-अलग हादसों में 3 की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में अलग-अलग घटनाओं में 3 लोगों की मौत हो गई। गोमतीनगर थानाक्षेत्र में एलएलबी के छात्र ने फांसी लगा ली। मां कमरे में बुलाने पहुंची तब घटना की जानकारी हुई। तालकटोरा इलाके में डिप्रेशन के शिकार युवक ने आत्महत्या कर ली। बाजारखाला इलाके में 30 फीट से गिरकर मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने तीनों के शवों को पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। विनीतखंड गोमतीनगर निवासी सुयश सिंह उर्फ आदित्य (24) निजी कॉलेज में एलएलबी थर्ड ईयर का छात्र था। जय बहादुर हाई कोर्ट में वकील हैं। परिजनों ने बताया कि सुयश मंगलवार रात करीब 10 बजे घर से निकला था। इसके 20 मिनट बाद घर आया और अपने कमरे में चला गया। सुबह मां मीरा सिंह उठाने गईं तो कमरे में फंदे से लटका मिला। बेटे को लटका देख मां की चीख निकल गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। परिवार में मां मीरा सिंह आवास विकास परिषद से रिटायर हैं, वहीं बहन ऐश्वर्या मुंबई में जॉब करती हैं।

मामले में एडिशनल इंस्पेक्टर विनोद कुमार सिंह ने बताया मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों ने किसी तरह का आरोप नहीं लगाया है। बाजार खाला इलाके में सफाई के दौरान नीचे गिरने से मजदूर की मौत हो गई। करहेटा बाजारखाला निवासी हनुमान प्रसाद कश्यप (72) मेक टूल कंपनी में 40 साल से काम कर रहे थे। कंपनी बस बनाने का काम करती है। मंगलवार को 30 फीट ऊपर तीन पर सफाई के लिए चढ़े थे। टीन कमजोर होने की वजह से तोड़ते हुए नीचे जाकर गिरे। जिससे उनके सिर में चोट आई। इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहना है कि परिजनों की तरह से कोई शिकायत नहीं मिली है।

प्रदेश में अवैध खनन और भ्रष्टाचार चरम पर: अखिलेश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अखिलेश यादव ने प्रदेश में अवैध खनन और भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राज्य में अवैध खनन से लेकर अन्य गैरकानूनी कारोबार बड़े पैमाने पर हो रहे हैं और सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार व संसाधनों की लूट अपने चरम पर पहुंच गई है। सपा प्रमुख ने कहा कि जब से Bharatiya Janata Party की सरकार सत्ता में आई है, तब से प्रदेश के संसाधनों की खुली लूट हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अवैध खनन, दवाओं का अवैध व्यापार और वनों व पेड़ों की कटाई धड़ल्ले से जारी है। उनके मुताबिक प्रदेश में इस तरह की लूट पहले कभी नहीं हुई। अखिलेश यादव ने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी चरम पर हैं और जनता परेशान है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार के दोनों इंजन फेल हो चुके हैं और आम लोगों को जरूरी वस्तुओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है। 00 उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में गैस सिलेंडर की कमी से लोग लंबी-लंबी लाइनों में खड़े होने को मजबूर हैं। होटल और दुकानें भी गैस की कमी से बंद होने की कगार पर पहुंच गई हैं और कालाबाजारी बढ़ रही है। और सरकार के पास जनता को देने के लिए केवल आश्वासन ही बचा है।

> अखिलेश यादव ने कहा कि ऐसा लगता है कि इस मामले में दिल्ली और लखनऊ के बीच मिलीभगत है। उनका आरोप है कि दिनदहाड़े हो रहे अवैध खनन पर न तो दिल्ली के ड्रोन को कुछ दिखाई दे रहा है और न ही लखनऊ प्रशासन कोई कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मानो जिम्मेदार लोगों ने "काला चश्मा" लगा लिया हो, ताकि अपराध दिखाई ही न दे।

उन्होंने कहा कि पहले लोगों को ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए भटकना पड़ा था और अब खाना बनाने के गैस सिलेंडर के लिए भटकना पड़ रहा है।

चमत्कार: एंबुलेंस में गड्ढे के झटके से लौटी सांसें, पीलीभीत में अंतिम संस्कार की चल रही थी तैयारी

ब्रेन डेड, घर ले जाओ : डॉक्टर

तमसा संकेत, एजेंसी

पीलीभीत। पीलीभीत की एक महिला को बरेली के डॉक्टरों ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया। परिजनों से महिला को घर ले जाने के लिए कहा। घर पर भी महिला के अंतिम संस्कार की तैयारी होने लगी। पति महिला को एंबुलेंस से लेकर घर लौटने लगा। बरेली-हरिद्वार नेशनल हाईवे पर अचानक एंबुलेंस के रास्ते में एक गड्ढा आ गया। इशकी वजह से एंबुलेंस में जोरदार धक्का लगा। इसकी वजह महिला के शरीर में हलचल हुई और उसकी सांसें चलने लगीं। यह देखकर घरवाले घबरा गए और उसे तुरंत दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया। 13 दिन इलाज कराने के बाद अब महिला स्वस्थ होकर घर लौट आई है। महिला 22 फरवरी को घरेलू काम करते हुए अचानक बेहोश हो गई थी। तब उसे बरेली के अस्पताल में ले जाया गया था। वहां दो दिनों तक उसे वेंटिलेटर पर रखा गया। डॉक्टरों ने शरीर में कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया था। मामला शहर कोतवाली थाना क्षेत्र का है। कुलदीप शुक्ला (55) शहर कोतवाली में अपने परिवार के साथ रहते हैं। 22 फरवरी की शाम उनकी पत्नी विनीता शुक्ला (50) घर के काम के दौरान अचानक बेहोश होकर गिर पड़ीं। वह पीलीभीत कोर्ट में वरिष्ठ सहायक हैं। उन्हें तुरंत बरेली के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। दो दिनों तक वेंटिलेटर पर रहने के बावजूद उनके शरीर में कोई हलचल नहीं हुई । आंखों की पुतलियां फैल गईं।

13 दिन बाद घर लौटीं विनीता

इलाज के बाद महज 24 घंटे के भीतर विनीता के शरीर ने प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया। बिना वेंटिलेटर के 13 दिनों के इलाज के बाद, विनीता अब पूरी तरह स्वस्थ हैं और वह अपने पैरों पर चलकर घर लौट आईं हैं। पति ने कहा- अब वह होश में भी हैं और हमसे बात भी कर रही हैं। स्वस्थ होने के बाद विनीता ने भावुक होकर कहा- मुझे याद ही नहीं कि मेरे साथ क्या हुआ। उनके पति कुलदीप ने इसे भगवान का आशीर्वाद और डॉक्टरों की मेहनत का परिणाम बताया है।

> डॉक्टर राकेश सिंह ने बताया- विनीता के ब्रेनस्टेम रिफ्लेक्स नहीं मिले। जबकि उनका ग्लासगो कोमा स्केल सामान्य यानी 15 अंकों से गिरकर 3 अंक पर आ गया था। जो पूरी तरह से ब्रेन के सक्रिय न होने का संकेत देता है। जांच के दौरान विनीता के पैरों पर दांतों के निशान भी मिले, जिससे डॉक्टर को स्नेक प्वाइजनिंग (न्यूरोटॉक्सिन) का संदेह हुआ। इसी आधार पर उन्हें एंटी-वेनम और सपोर्टिव इलाज दिया गया।

पृष्ठ 01 का शेष...

स्पीकर बिरला के ...

शाह के जवाब के दौरान विपक्ष ने जमकर हंगामा किया और 'अमित शाह माफी मांगो' के नारे लगाए। शाह की स्पीच के दौरान विपक्षी सांसदों ने सदन में नारेबाजी की। विपक्षी सांसदों ने अमित शाह माफी मांगो के नारे लगाए। विपक्ष के नेता राहुल गांधी अपने अधिकारों की बात करते हैं। 17वीं लोकसभा में उनकी उपस्थिति 51% थी। राष्ट्रीय औसत 67% है। वेणुगोपाल ने टोका- ये प्रस्ताव स्पीकर के लिए या नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ। शाह ने कहा- एक भी विधेयक पर चर्चा में हिस्सा नहीं लिया। 25वीं केंद्रीय बजट में भी चर्चा में भाग नहीं लिया। उनकी पार्टी 4 दशक के बाद ऐसा प्रस्ताव लेकर आई है, उस पर भी राहुल गांधी ने हिस्सा नहीं लिया। फिर कहते हैं बोलने नहीं दिया जाता। मुझे लगता है वे बोलना ही नहीं चाहते। विपक्ष के नेता स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव पर भी कुछ नहीं बोलते। फिर प्रस्ताव लाते क्यों है। एक तो बोलना नहीं चाहते हैं। बोलना चाहते हैं कि नियम अनुसार नहीं बोलना चाहते हैं। स्पीकर के द्वारा एक बार टोकने पर दूसरी बार वही बात करोगे तो स्पीकर के पास क्या विकल्प रहता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आप मैगजीन पर नहीं बोल सकते, फिर भी आप उसी विषय पर बोलेंगे तो टोकना पड़ेगा। SIR पर चर्चा थी। विपक्ष के नेता को बोला गया कि आप बोलिए। उन्होंने सदन डिस्टर्ब किया। उनको अचानक एक आइडिया आया कि मेरी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर चर्चा हो। आपके परनाना से लेकर आपकी दादी से पिता जी तक, बड़े बड़े नेता के प्रेस कॉन्फ्रेंस पर बहस नहीं हुई। मैं सिर्फ इस सदन की बात नहीं करता। 17वीं लोकसभा में विपक्ष को 40% समय दिया गया। मेंशन ऑफ थैंक्स में 34% समय दिया गया। शून्यकाल में उनकी भागदारी 55% रही। किसको बोलना है ये अधिकार उस दल के नेता का है। जब आप खुद नहीं बोलना चाहते तो कोई क्या कर सकता है, लेकिन बोलने तो नियमों के अनुसार ही पड़ेगा। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, 'लोकसभा स्पीकर का महत्व सदन, देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर है। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा- अगर अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग जारी रही, तो बहुत दिक्कत होगी। इसका असर कई सेक्टर पर पड़ेगा, इसलिए केंद्र सरकार ने सही काम किया है कि पहले कंज्यूमर्स (घरेलू) को गैस मिले और फिर इंडस्ट्रीज को। सरकार को दूर की सोच दिखानी चाहिए थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि देश माओवाद-तंत्र से नहीं लोकतंत्र से चलता है। हमारे सदस्य को संसद के बाहर गद्दार कहा गया था। हम तो आफगानिस्तान से अपने लोगों को वापस लाए। इन लोगों ने सिखों के गले कटवाए। सरेंडर आप लोगों ने किया था चीन को 38 हजार स्क्वयार मीटर जमीन देकर। हमने तो अपने सेना को खुली छूट दी। जब आप उनकी निष्ठा पर सवाल उठाते हैं, तो आप लोकतंत्र की गरिमा पर सवाल उठाते हैं। आप पीएम के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाइए, हम नहीं कहेंगे की यह अफसोसजनक है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि इनकी सरकार बंद कमरे में चलती थी। लोकतंत्र का गला घोटने का काम इन्होंने किया था। नेहरू जी ने पहली संशोधन में मीडिया का गला घोंटने का काम किया। आपने लोकतंत्र का गला घोटा। 5 साल के राज्यसभा के टर्म को 6 साल का कर दिया। मीसा लगाया गया। उन्हें जेल में डाल दिया गया। 2012 में इनके मंत्री ने हाउस एडजर्न के लिए स्पीकर से कहा था। सदन आने से 2 दिन पहले आप ऑर्डिनेंस लेकर आते थे। अटल जी भी नेता प्रतिपक्ष थे। पाकिस्तान को करार जवाब नेता प्रतिपक्ष ने दिया था। विदेश में भारत का सिर ऊंचा किया था। भारत के अगर आपकी लड़ाई है तो ISI और INC में क्या फर्क रह गया है।लेकिन स्पीकर के खिलाफ ऐसा प्रस्ताव आम घटना नहीं है। 94 C के तहत स्पीकर को केवल असाधारण परिस्थिति में हटाया जा सकता है। उन्हें हटाने के लिए इफेक्टिव मेजोरिटी चाहिए। एक तरह से संरक्षण दिया है। पूरी दुनिया को मालूम के 2026 चल रहा है लेकिन प्रस्ताव में 2025 लिखा है। जब विपक्ष के ध्यान में लाया गया तो उन्होंने नोटिस वापस ले लिया। दूसरे नोटिस में सिर्फ गौरव गोगई के रियल साइन थे। सभी विपक्षी सांसदों को जेरोक्स साइन थे।

देशभर में ...

सप्लाई चेन को दुरुस्त रखने के लिए घरेलू एलपीजी का उत्पादन 25% तक बढ़ा दिया गया है कुछ जगहों पर गलत जानकारी की वजह से लोग पैनिक बुकिंग और जमाखोरी कर रहे हैं। ग्राहकों को घबराने की जरूरत नहीं है, सप्लाई पूरी तरह सामान्य है।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

पिछले 3 साल से हम यह मामला लड़ रहे थे। अब उसे एम्स ले जाया जाएगा। वह पंजाब यूनिवर्सिटी में टॉपर हुआ करता था। यह स्थिति हरीश के लिए बहुत दर्दनाक है। परिवार के लिए उन्हें ऐसे देखना मानसिक रूप से बेहद कठिन हो गया है। जस्टिस पारदीवाला ने फैसला सुनाते वक्त अमेरिकी धर्मगुरु हेनरी वार्ड बीचर के शब्दों का हवाला देते हुए कहा, 'ईश्वर मनुष्य से यह नहीं पूछते कि वह जीवन स्वीकार करता है या नहीं, उसे जीवन लेना ही पड़ता है।' उन्होंने विलियम शेक्सपीयर के प्रसिद्ध नाटक हेलमेट की पंक्ति "To be or not to be" का भी जिक्र करते हुए कहा कि अदालतों को कई बार इसी तरह के प्रश्नों के संदर्भ में "मरने के अधिकार" पर विचार करना पड़ता है।

वाराणसी के एसआईआर में तैनात बीएलओ की मौत

बीमारी के बाद अफसरों से मांगता रहा छुट्टी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की ड्यूटी में तैनात बीएलओ की बुधवार सुबह बीमारी के चलते मौत हो गई। इलाज के अभाव में उसने तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया। बीमार होने के बावजूद अफसर उसे एसआईआर के काम में लगाए रहे। चौबेपुर थाना क्षेत्र के कौवापुर गांव के रहने वाले शेख मोहम्मद असगर अली प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे। उन्हें बीएलओ (BLO) का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया था। शिक्षक असगर लगातार बीएलओ का कार्य करते हुए काफी व्यस्त और तनाव में चल रहे थे। इसी दौरान उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई। जांच में उन्हें जॉन्डिस (पीलिया) की शिकायत सामने आई। परिजनों के अनुसार तबीयत खराब होने के बावजूद उन्होंने विभाग से छुट्टी की मांग की थी, लेकिन समय पर छुट्टी न मिलने के कारण वह लगातार काम करते रहे, जिससे उनकी हालत और बिगड़ती चली गई। स्थिति गंभीर होने पर उन्हें उपचार के लिए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर सहित अन्य अस्पतालों में भी दिखाया गया, जहां डॉक्टरों द्वारा इलाज किया जा रहा था। इलाज के दौरान ही कल उनकी मृत्यु हो गई। शिक्षक की मौत की खबर मिलते ही विद्यालय के शिक्षकों, ग्रामीणों और क्षेत्र के लोगों में शोक है। परिवार में पत्नी की अलावा तीन लड़के हैं, परिवार में कोहराम मचा है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676